Class: X **March 2021 Sample Paper (Reduced Syllabus)**

Marks: 80 **Hindi Lokbharthi** **2 hours**

दसवीं कक्षा : द्वितीय भाषा हिंदी – (संपूर्ण) : लोकभारती

नमूना कृतिपत्रिका

समय : 3 घंटे कुल अंक : 80

सूचनाएँ – (1) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य, पूरक पठन, भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।

(3) रचना विभाग (उपयोजित लेखन) में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 – गद्य : 20 अंक

प्र.1 (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :– **8**

''ठीक है। इससे लक्ष्मी के दो-चार दिन निकल जाएँगे।''

''आखिर इस तरह कब तक चलेगा ?'' रमजानी दुखी स्वर में बोली।

''तुम इसे खुला छोड़कर, आजमाकर तो देखो।''

''कहते हो तो ऐसा करके देख लेंगे।''

दूसरे दिन रहमान सवेरे आठ-नौ बजे के करीब लक्ष्मी को इलाके से बाहर जहाँ नाला बहता है, जहाँ झाड़-झंखाड़ और कहीं दूब के कारण जमीन हरी नजर आती है, छोड़ आया ताकि वह घास इत्यादि खाकर अपना कुछ पेट भर ले। लेकिन माँ-बेटे को यह देखकर आश्चर्य हुआ कि लक्ष्मी एक-डेढ़ घंटे बाद ही घर के सामने खड़ी थी। उसके गले में रस्सी थी। एक व्यक्ति उसी रस्सी को हाथ में थामे कह रहा था-''यह गाय क्या आप लोगों की है ?''

रमजानी ने कहा, ''हाँ।''

''यह हमारी गाय का सब चारा खा गई है। इसे आप लोग बाँधकर रखें नहीं तो काँजी हाउस में पहुँचा देंगे।''

रमजानी चुप खड़ी आगंतुक की बातें सुनती रही।

दोपहर बाद जब करामत अली ड्यूटी से लौटा और नहा-धोकर कुछ नाश्ते के लिए बैठा तो रमजानी उससे बोली-''मेरी मानो तो इसे बेच दो।''

(1) संजाल पूर्ण कीजिए :– 2

	गद्यांश में आए पात्र	

(2) कारण लिखिए :– 2

(क) लक्ष्मी को काँजी हाउस में पहुँचाने की धमकी देना –

(ख) माँ-बेटे को आश्चर्य होना –

---

(3) (ग) लिंग पहचानकर लिखिए :– 1

1) रस्सी = _____

2) झाड़–झंखाड़ = _____

(घ) गद्यांश में प्रयुक्त निम्नलिखित शब्द के भिन्न–भिन्न अर्थ लिखिए :– 1

चारा <

_____

_____

(4) 'भूतदया सर्वश्रेष्ठ है', इसपर अपने विचार लिखिए। 2

प्र. 1 (आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :– **8**

आँख खुली तो मैंने अपने–आपको एक बिस्तर पर पाया । इर्द–गिर्द कुछ परिचित–अपरिचित चेहरे खड़े थे । आँख खुलते ही उनके चेहरों पर उत्सुकता की लहर दौड़ गई । मैंने कराहते हुए पूछा–''मैं कहाँ हूँ ?''

''आप सार्वजनिक अस्पताल के प्राइवेट वार्ड में हैं । आपका ऐक्सिडेंट हो गया था । सिर्फ पैर का फ्रैक्चर हुआ है । अब घबराने की कोई बात नहीं ।'' एक चेहरा इतनी तेजी से जवाब देता है, लगता है मेरे होश आने तक वह इसीलिए रुका रहा । अब मैं अपनी टाँगों की ओर देखता हूँ। मेरी एक टाँग अपनी जगह पर सही–सलामत थी और दूसरी टाँग रेत की थैली के सहारे एक स्टैंड पर लटक रही थी । मेरे दिमाग में एक नये मुहावरे का जन्म हुआ । 'टाँग का टूटना' यानी सार्वजनिक अस्पताल में कुछ दिन रहना । सार्वजनिक अस्पताल का खयाल आते ही मैं काँप उठा । अस्पताल वैसे ही एक खतरनाक शब्द होता है, फिर यदि उसके साथ सार्वजनिक शब्द चिपका हो तो समझो आत्मा से परमात्मा के मिलन होने का समय आ गया । अब मुझे यूँ लगा कि मेरी टाँग टूटना मात्र एक घटना है और सार्वजनिक अस्पताल में भरती होना दुर्घटना ।

(1) प्रवाह तालिका पूर्ण कीजिए :– 2

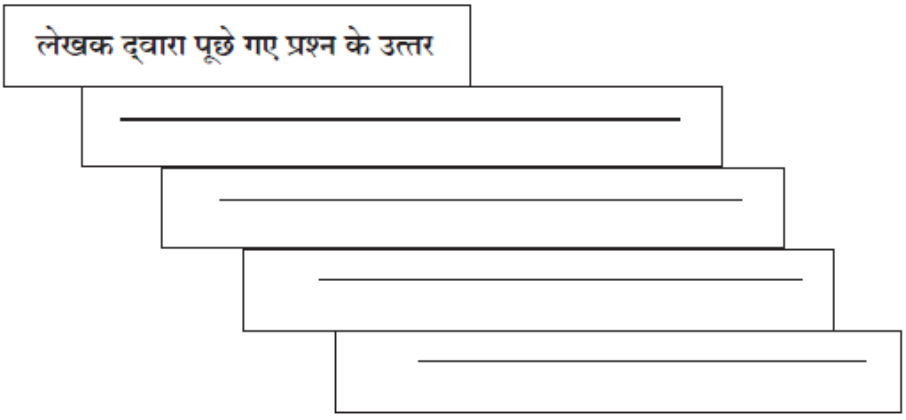

(2) आकृति पूर्ण कीजिए :– 2

(i)

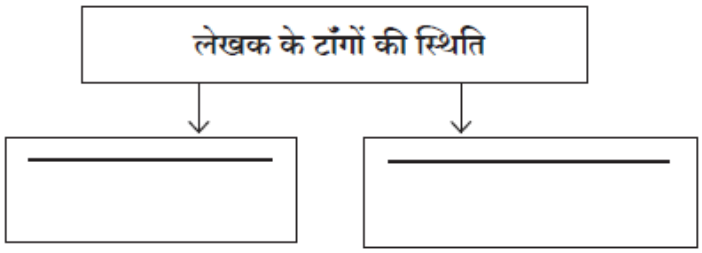

(ii)

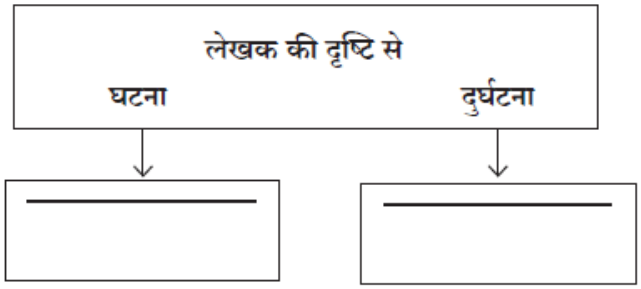

(3) सूचना के अनुसार लिखिए :– 2

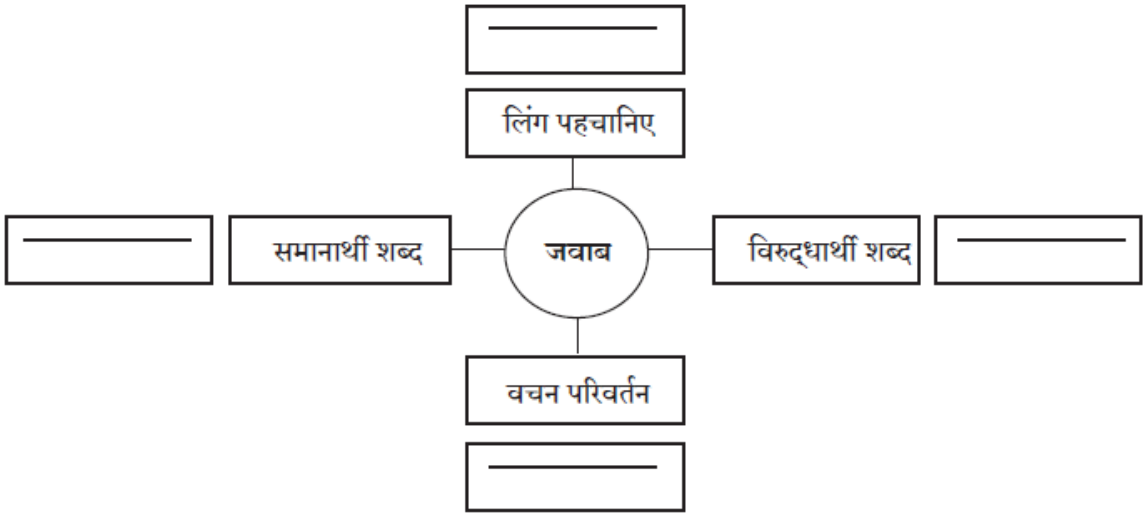

(4) 'सावधानी हटी, दुर्घटना घटी', इसपर अपने विचार लिखिए। 2

प्र.1 (इ) **निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :–** **4**

मानव समाज में अनेक ऐसी मान्यताएँ और विश्वास प्रचलित हैं, जिनका कोई वैज्ञानिक आधार नहीं हैं, इन्हीं को अंधविश्वास के नाम से जाना जाता है। इन्हीं अंधविश्वासों में किसी कार्य को प्रारंभ करते समय या घर से बाहर निकलते समय छींक देना, बिल्ली का रास्ता काट जाना, घर पर उल्लू का बोलना, टूटते तारे को देखना आदि प्रमुख हैं। इन अंधविश्वासों को मान्यता प्राप्त होने का मुख्य कारण संभवत: सही जानकारी का अभाव तथा धर्म का प्रभाव है। कभी–कभी ये अंधविश्वास हानि का कारण बनते हैं। बच्चे के बीमार हो जाने पर लोग उसका इलाज करवाने के बजाय नजर लगने को बीमारी का कारण मानते हैं। नजर उतारने के लिए झाड़–फूँक करवाना एवं ताबीज आदि बाँधना कभी–कभी बच्चे के जीवन तक को खतरे में डाल देते हैं। कुछ महिलाएँ अपने बच्चों को नज़र लगने से बचाने के लिए उन्हें काला टीका लगाती हैं। अंधविश्वासों के चंगुल से निकलने के लिए हमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाना होगा। वैज्ञानिक दृष्टिकोण तभी प्राप्त हो सकेगाा जब शिक्षा का व्यापक प्रचार–प्रसार हो।

(1) उत्तर लिखिए :– 2

मानव समाज में प्रचलित दो अंधविश्वास 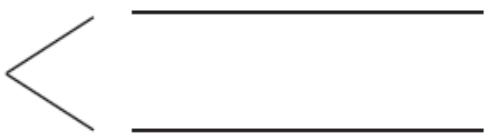

(2) 'समाज में फैला अंधविश्वास' दूर करने संबंधी उपाय लिखिए। 2

विभाग 2 – पद्य : 12 अंक

प्र.2 (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :– **6**

क्षीण निज बलहीन तन को, पत्तियों से पालता जो,
ऊसरों को खून से निज, उर्वरा कर डालता जो,
छोड़ सारे सुर–असुर, मैं आज उसका ध्यान कर लूँ।
उस कृषक का गान कर लूँ।।

यंत्रवत जीवित बना है, माँगते अधिकार सारे,
रो रही पीड़ित मनुजता, आज अपनी जीत हारे,
जोड़कर कण–कण उसी के, नीड़ का निर्माण कर लूँ।
उस कृषक का गान कर लूँ।।

(1) लिखिए :– 2

कृषक की विशेषताएँ <

_____

_____

(2) पद्यांश से निम्नलिखित अर्थ में प्रयुक्त शब्द लिखिए :– 2

(क) अपना = _____

(ख) उपजाऊ = _____

(ग) घोंसला = _____

(घ) राक्षस = _____

(3) उपर्युक्त पद्यांश की अंतिम चार पंक्तियों का भावार्थ लिखिए। 2

प्र.2 (आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :– **6**

हिमालय के आँगन में उसे, किरणों का दे उपहार
उषा ने हँस अभिनंदन किया, और पहनाया हीरक हार।
जगे हम, लगे जगाने विश्व, लोक में फैला फिर आलोक
व्योमतम पुंज हुआ तब नष्ट, अखिल संसृति हो उठी अशोक।
विमल वाणी ने वीणा ली, कमल कोमल कर में सप्रीत
सप्तस्वर सप्तसिंधु में उठे, छिड़ा तब मधुर साम संगीत। .....
विजय केवल लोहे की नहीं, धर्म की रही धरा पर धूम
भिक्षु होकर रहते सम्राट, दया दिखलाते घर–घर घूम।

(1) पद्यांश में प्रयुक्त इन शब्दों से सहसंबंध दर्शाने वाले शब्द लिखिए :– 2

(क) हिमालय ———

(ख) किरण ———

(ग) विमल ———

(घ) कोमल ———

(2) उपर्युक्त पद्यांश पर आधारित ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्न शब्द हों :– 2

सप्तस्वर, सम्राट

(3) उपर्युक्त पद्यांश से किन्हीं चार पंक्तियों का भावार्थ लिखिए। 2

विभाग 3– पूरक पठन : 8 अंक

प्र.3 (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :– 4

जिस गली में आजकल रहता हूँ–वहाँ एक आसमान भी है लेकिन दिखाई नहीं देता। उस गली में पेड़ भी नहीं हैं, न ही पेड़ लगाने की गुंजाइश ही है। मकान ही मकान हैं। इतने मकान कि लगता है मकान पर मकान लदे हैं। लंद–फंद मकानों की एक बहुत बड़ी भीड़, जो एक सँकरी गली में फँस गई और बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं है। जिस मकान में रहता हूँ, उसके बाहर झाँकने से 'बाहर' नहीं सिर्फ दूसरे मकान और एक गंदी व तंग गली दिखाई देती है। चिड़ियाँ दिखती हैं, लेकिन पेड़ों पर बैठीं या आसमान में उड़तीं हुई नहीं। बिजली या टेलीफोन के तारों पर बैठीं, मगर बातचीत करतीं या घरों के अंदर यहाँ–वहाँ घोंसले बनाती नहीं दिखतीं। उन्हें देखकर लगता मानो वे प्राकृतिक नहीं, रबड़ या प्लास्टिक के बने खिलौने हैं, जो शायद ही इधर–उधर फुदक सकते हों या चूँ–चूँ की आवाजें निकाल सकते हों।

(1) सही विकल्प चुनकर विधान पूर्ण कीजिए :– 2

(क) आजकल लेखक ऐसी गली में रहता है जहाँ –
मकान ही मकान हैं / मकान नहीं है / मकानों पर मकान नहीं हैं।

(ख) गद्यांश में वर्णित गली चौड़ी है / लंबी है / सँकरी है।

(2) 'बढ़ती जनसंख्या के परिणाम' इसपर अपने विचार लिखिए। 2

प्र.3 (आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :– 4

हम उस धरती के लड़के हैं, जिस धरती की बातें
क्या कहिए; अजी क्या कहिए; हाँ क्या कहिए।
यह वह मिट्टी, जिस मिट्टी में खेले थे यहाँ ध्रुव–से बच्चे।
यह मिट्टी, हुए प्रह्लाद जहाँ, जो अपनी लगन के थे सच्चे।
शेरों के जबड़े खुलवाकर, थे जहाँ भरत दंतुली गिनते,
जयमल–पत्ता अपने आगे, थे नहीं किसी को कुछ गिनते !

(1) तालिका पूर्ण कीजिए :– 2

चरित्र	विशेषताएँ
	इस मिट्टी में खेलने वाला
	लगन का सच्चा (सच्ची लगनवाला)
	शेर के जबड़े में दाँत गिनने वाला
	अपने पराक्रम के आगे किसी को न गिनने वाला

(2) 'सच्ची लगन से हम असाध्य कार्य को भी साध्य बना सकते हैं', इसपर अपने विचार लिखिए। 2

विभाग 4– भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 14 अंक

प्र. 4 सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :–

(1) अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए :– 1

अब आप ठीक हो जाएँगे।

(2) निम्नलिखित अव्यय का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए :– 1

(i) अरे रे! (ii) लेकिन

(3) तालिका पूर्ण कीजिए :– 1

संधि	संधि विच्छेद	संधि भेद
अत्याचार	————	————
अथवा		
————	निः + जीव	————

(4) सहायक क्रियाएँ पहचानकर लिखिए :– 1

(ढ) गरम–गरम भूनकर मसाला लगाकर दूँगा।

अथवा

(त) उसका निर्वाह चल सके।

सहायक क्रिया	मूल क्रिया

(5) क्रिया के 'प्रथम' तथा 'द्वितीय' प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए :– 1

मूल क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्वितीय प्रेरणार्थक रूप
उठना	————	————
अथवा		
जीना	————	————

(6) **निम्नलिखित में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए :–** 1

(i) ठेस लगना (ii) फूट–फूटकर रोना

अथवा

अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए :–

(शेखी बघारना, आजीविका चलना)

आशा को अपनी प्रशंसा करना पसंद है।

(7) **निम्नलिखित में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए :–** 1

(i) मैं ड्राइवर को बुला लाया।

(ii) घर में दो पत्रिकाएँ मँगाते थे मेरे पितामह।

(8) **वाक्य में यथास्थान उचित विरामचिह्नों का प्रयोग कीजिए :–** 1

जी हाँ मैं कॉलेज में पढ़ी हूँ

(9) **सूचना के अनुसार किसी दो वाक्य का काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए :–** 2

(i) वे बाजार से नई पुस्तकें खरीदते हैं। (अपूर्ण वर्तमानकाल)

(ii) जूलिया रो रही है। (सामान्य भूतकाल)

(iii) प्राण को मन से अलग करना पड़ता है। (सामान्य भविष्यकाल)

(10) (i) **निम्नलिखित वाक्य का रचना के अनुसार भेद लिखिए :–** 1

यदि तुम इन्सान बनना चाहती हो तो जल्दी बताओ।

(ii) **निम्नलिखित में से किसी एक वाक्य का सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए :–** 1

(1) अब मुझे कौन पूछता है? (विधानार्थक वाक्य)

(2) तुम्हें अपना काम खुद करना चाहिए। (आज्ञार्थक वाक्य)

(11) **निम्नलिखित में से किसी दो वाक्य को शुद्ध करके लिखिए :–** 2

(i) बरसों बाद पंडित जी को मित्र का दर्शन हुआ।

(ii) गोवा के बीच पर घूमने में बड़ी मजा आई।

(iii) उसका लिए आप चिंता न करे।

विभाग 5 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन) : 24 अंक

प्र.5 (अ) (1) **पत्रलेखन :–** 5

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए :–

मोहन / मोहना जोशी, 5, सुमन स्मृति, डेक्कन जिमखाना, पुणे से अभ्युदय नगर, अंधेरी, मुंबई में अपने मित्र / सहेली को अपने दादा जी के 'अमृत महोत्सव' (७५ वीं वर्षगाँठ) के उपलक्ष्य में निमंत्रण देने हेतु पत्र लिखता / लिखती है।

अथवा

विजय / विजया मोरे, वरदायिनी सोसाईटी, लोकमान्य नगर, सोलापुर से अपने क्षेत्र के विद्युत अभियंता को बिजली का बिल अधिक आने की शिकायत करते हुए पत्र लिखता / लिखती है।

(2) **निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर एक–एक वाक्य में उत्तरवाले चार ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर परिच्छेद में हों :–** **4**

चारों तरफ कुहरा छाया हुआ है। सुबह के नौ बज चुके हैं, लेकिन पूरी दिल्ली धुंध में लिपटी हुई है। सड़कें नम हैं। पेड़ भीगे हुए हैं। कुछ भी साफ नहीं दिखाई देता। जिंदगी की हलचल का पता आवाजों से लग रहा है। ये आवाजें कानों में बस गई हैं। घर के हर हिस्से से आवाजें आ रही हैं। वासवानी के नौकर ने रोज की तरह स्टोव जला लिया है, उसकी सनसनाहट दीवार के उस पार से आ रही है। बगलवाले कमरे में अतुल भवानी जूते पर पॉलिश कर रहा है। ऊपर सरदार जी मूँछों पर फिक्सो लगा रहे हैं। उनकी खिड़की के परदे के पार जलता हुआ बल्ब बड़े मोती की तरह चमक रहा है। सब दरवाजे बंद हैं, सब खिड़कियों पर परदे हैं लेकिन हर हिस्से में जिंदगी की खनक है। तिमंजिले पर वासवानी ने बाथरूम का दरवाजा बंद किया है और पाइप खोल दिया है।

प्र. 5 (आ) (1) **वृत्तांत लेखन :–** 5

अभिनव विद्यालय, ऐक्य नगर, लातूर में मनाए गए ''विज्ञान दिवस'' समारोह का 60 से 80 शब्दों में वृत्तांत लेखन कीजिए।

(वृत्तांत में स्थल, काल, घटना का उल्लेख करना अनिवार्य है।)

अथवा

कहानी लेखन :–

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखिए और उचित शीर्षक दीजिए :–

राधव और माता–पिता – सुखी परिवार – राधव हमेशा मोबाइल पर --- कान में इयरफोन --- माता–पिता का मना करना --- राधव का ध्यान न देना --- सड़क पार करना --- कान में इयर फोन --- दुर्घटना --- सीख।

(2) **विज्ञापन :–** 5

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर 50 से 60 शब्दों में आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए :–

शैक्षिक योग्यता		कालावधि
	सोसाइटी के लिए सुरक्षा रक्षक की आवश्यकता है	
आयु सीमा		संपर्क

प्र.5 (इ) **निबंध लेखन :–** 5

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए :–

1) मैं नदी बोल रही हूँ ..... ।

2) यदि मेरा घर चंद्रमा पर होता।

* * *

पहली इकाई

क्र.	पाठ का नाम	विधा	रचनाकार	पृष्ठ
१.	भारत महिमा	कविता	जयशंकर प्रसाद	१–२
२.	लक्ष्मी	संवादात्मक कहानी	गुरुबचन सिंह	३–९
३.	वाह रे ! हमदर्द	हास्य–व्यंग्य निबंध	घनश्याम अग्रवाल	१०–१४
४.	मन (पूरक पठन)	हाइकु	विकास परिहार	१५–१७
५.	गोवा : जैसा मैंने देखा	यात्रा वर्णन	विनय शर्मा	१८–२३
६.	गिरिधर नागर	पद	संत मीराबाई	२४–२६
७.	खुला आकाश (पूरक पठन)	डायरी अंश	कुँवर नारायण	२७–३२
८.	गजल	गजल	माणिक वर्मा	३३–३४
९.	रीढ़ की हड्डी	एकांकी	जगदीशचंद्र माथुर	३५–४१
१०.	ठेस (पूरक पठन)	आंचलिक कहानी	फणीश्वरनाथ रेणु	४२–४८
११.	कृषक का गान	गीत	दिनेश भारद्वाज	४९–५०

दूसरी इकाई

क्र.	पाठ का नाम	विधा	रचनाकार	पृष्ठ
१.	बरषहिं जलद	महाकाव्य अंश	गोस्वामी तुलसीदास	५१–५३
२.	दो लघुकथाएँ (पूरक पठन)	लघुकथा	नरेंद्रकौर छाबड़ा	५४–५७
३.	श्रम साधना	वैचारिक निबंध	श्रीकृष्णदास जाजू	५८–६४
४.	छापा	हास्य–व्यंग्य कविता	ओमप्रकाश 'आदित्य'	६५–६७
५.	ईमानदारी की प्रतिमूर्ति	संस्मरण	सुशील शास्त्री	६८–७३
६.	हम इस धरती की संतति हैं (पूरक पठन)	कव्वाली	उमाकांत मालवीय	७४–७५
७.	महिला आश्रम	पत्र	काका कालेलकर	७६–७९
८.	अपनी गंध नहीं बेचूँगा	गीत	बालकवि बैरागी	८०–८१
९.	जब तक जिंदा रहूँ, लिखता रहूँ	साक्षात्कार	विश्वनाथ प्रसाद तिवारी	८२–८८
१०.	बूढ़ी काकी (पूरक पठन)	वर्णनात्मक कहानी	प्रेमचंद	८९–९६
११.	समता की ओर	नई कविता	मुकुटधर पांडेय	९७–९८
	व्याकरण एवं रचना विभाग तथा भावार्थ			९९–१०४

*** As per reduced syllabus 2020 – 2021**

***Note: Only chapter is omitted.**

Grammar & Writing Skill part is not

Omitted from above mentioned chapters.